



ॐ नमः श्रीवज्रसंघे नमः ॥

धनकलसया ध्यान ॥ ॐ नमः शिवाय
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

361

ASHA

गा ॥ ॐ धर्मयुगि कंस
साव ॥ ॐ न धर्म न वन
य ॥ ॐ य ॥ आ क न व न
॥ ॥ श्रीय स्वाहा ॥ ३

जा ॥ आ सा ॥ दु ति ॥
द वि सर्व सै य रि दा
द वि श्री य क्रिय त न
ऊ ऊ ऊ मि या ध्वा न ॥
जा ॥ ऊ ऊ ना जा म ह
वि वा च ॥ ऊ ऊ सै ध न
सै य दी ह ल या दा चानि
सि य लि वा लि न वि ग
ऊ ऊ ऊ ऊ मि द वि प्र
जा य ॥ ॐ य ॥ आ क य

निरा श्रु क य द र्श ह
य दा ॥ ॥ ध न जा

॥ या ना र्थ ॥ पू षा न्या स
य श्चि य स्वाहा ॥ ३ ॥ पू

॥ ॐ श्री य ल क्ती म हा
य की ॥ सर्व काम पु दा
मु श ॥ ॥ ध न ऊ

॥ वै श व र्ण म हा वा
धि क ॥ ऊ ऊ को मि म
सै वि ना ॥ म हा वि रु ड
व न ॥ ऊ ऊ ऊ कि न्या
हा म हा रु दा र्थ सै ह क
सि नि मि ना ॥ ॥ ध न

न ॥ या ना र्थ ॥ पू षा न्या

स॥ ॐ उ काय स्वाहा ॥ ३

॥ ॥ धन ॥ धृजा ॥

ॐ नमः ४ उ क स्व वाय
सर्व वि ल रु डा संप न
नि नम मुने ॥ ॥

न ॥ ॥ ॐ नागया
र्य नि वि ग रु ९ स सा
न म क वा स न ॥ ॥

क रु व न ॥ या ना र्य ॥ य

वृ ना य नम स्वा हा ॥ अ

॥ स क का य ॥ क को र

म हा प्र मा ना ग य ॥ स

का य ॥ ॥ धन य

॥ ॐ नागया धम

म हा व ल लि ग म न च

ॐ उ क मि य स्वा हा ॥ ३

वा स्वा ॥ धृ नि ॥ ॥

१ उ क मि स रु रु क

१ न मा मि उ क उ क

धन ॥ ना ग य स ॥ धम

सा ध ले रु क ल त्रा य

क ध व ल ध य १ व न

धन जा य ॥ धृ य ॥ आ

य ना स ॥ ॥ ॐ व

न ना य ॥ वा धु कि य

का य ॥ य मा ना ग य ॥

क व पा ल ना ग ॥ कृ लि

जा ॥ वा स्वा ॥ धृ नि ॥

का नि रु १ उ ल ध य

मि वि रु या ना १ ना ग

ब्रह्मज्ञानमस्तुते ॥
॥ ॐ नमो भगवते ॥ ब्र
ह्मज्ञानि ॥ कुरुवज्रा
गो ॥ रुमा ॥ ध्वजस्य स्व
समस्तदकपूजा ॥
द्वय ॥ ॐ ॥ ध्वज
उं नमः ॥ श्रीवज्रसत्त्व
कुरुभिस्तान ॥ सैव
उं नमः ॥ श्रीवज्रसत्त्व
उनिवज्रसत्त्ववज्रव
विजय ॥ उं वज्रसत्त्ववज्रा
य ॥ उं ध्वजसत्त्ववज्रा
द्वय ॥ उं नमः ॥ श्रीवज्रसत्त्व
॥ ध्वजसत्त्ववज्रा

॥ ध्वज ॥ अलिद्वय ॥
विजय ॥ ध्वज ॥ विजय
दि ॥ लला ॥ उदि
वज्र ॥ जाति ॥ कर्मि ॥
ध्वज ॥ विजय ॥ विजय
॥ ॐ ॥
य ॥ नमः ॥ श्रीवज्रसत्त्व
वज्रसत्त्ववज्रा ॥
य ॥ नमः ॥ श्रीवज्रसत्त्व
ध्वज ॥ ॥ वज्रसत्त्व
॥ ॥ ध्वजसत्त्ववज्रा
न ॥ ॥ ध्वजसत्त्ववज्रा
यन ॥ ध्वजसत्त्ववज्रा
नमः ॥ ॐ ॥ श्रीवज्रसत्त्व

सकृद्विद्यावि
धर्मसंयवनाः
सोदा नयनं कजमा
तिथं वना कुरु
या ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ
दा ॥ ॐ कमा यथु ना
ववनाय नागमिषु
यज्जा मिषु यनेसा
मिषु नयसादा ॥ ॐ
यगयसादा ॥ ॐ वायू
सादा ॥ ॐ ॐ सा नर

॥ धन ॥ यजा ॥

लयति शिवः वज्र
मिषा वाजः ॥ ग ॐ ॐ

ताः ॐ वक्रदवना व
विजिजागा दवाग
नस्यः सर्वविषय
रुट्खादा ॥ ॥ ॐ

मुने मिषु नि यसा
मिषु नयसादा ॥ ॐ
नयसादा ॥ ॐ कववा
दा ॥ ॐ ॐ नय प्रवना
ने अत्यना कमाय मि
वज्रना का मिषु नय
ना मिषु नयसादा ॥

वा ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ
सामदा वल सर्वज
दायन न मुनी ॥ ॥

कथन ॥ स ॥ धा ॥ न ॥ अ
ता का मृगि स्वाथे
द ग ॥ व स ॥ स ग स ग
रु ग स्वादा ॥ ॥ ध

जा ॥ का ल ॥ स्व सि
रु स र्व ग नृ नृ जि न
ना ॥ ध का या वा क पा
१ द व ना दि स म ना सा
ल ज न य गि ता ना धा
जा ग र्क यु १ धा नि वि
जा ग र्क ज र्क ॥ ॥
म च य वा ल मृ जा ॥

॥ क च मृ वा वा स १ सि
नि वि य ॥ ॥ उं क
व क ॥ या ना र्क ॥ उं अ

म मा ग म धा ॥

वि क ल र्क ॥

न दा ॥ उं मृ मृ वा र्क र्क
न सि दा का का म ॥ मृ

वा क ॥ उं व र्क वा या
मु ना ध व ना १ वा ल य म

वा सा मु ना सि द व स ल
वा क ल्या न चि ना १ स क

न व का र्क म यि १ मृ
ज य उ १ ज ग ना र्क उ १

ध न र्क म स सि य न न ॥
॥ ध न ॥ मृ मि धा य न

ग य सि क र्क ॥ मृ ना मि
ल र्क ॥ सि ग वा ल य

र म य य व ल र्क वा य

॥ उं क

॥ सि

यान्न नया चाचमना

॥ संश्रवन्न नक्षत्रा
अस्वाहा ॥ ॥ सा

सर्वपायविधिमाया
हा ॥ ॥ ६६ का प्र

महादान युगा कौल
ग्रथ आदि यदि यीवि

व कलव वादना च या
न जा कृत्तु अग्नि धाय

॥ धन अग्नि धाय
धन गा ना राव ॥ ॥

उत्तराश्विनाग्निम
गवर्भूमि कसूरी च

६० वृक्षयैः सर्ववचकाज
मवाधल ॥ ॥ ६७ आय

मकूट धालिन ॥ व

घंघुनिचुसाहा ॥

॥ ॥ ॥ ॐ ह्रीं ना इम
दनमाय ॥ ॥ ॐ

रुस्मि कलहं रुदसा
वकाह का वाय ॥ धन

स्वस्ति वाय ॥ ॐ अ
वा विषमदाधीय ॥ रु

न जरी ॥ ॥ ॐ अग्नि या स्ति
ॐ हली च सा स्वाहा ॥

नयाय ॥ धन धान
ॐ वज्र वज्र न अ ३ वा

धार्वाका आरुवै ॥ ॐ
उरु उ वामदभु कः म

मालि धली ॥ ॐ पिना
व रु कि ने ॥ ॐ रुणा

जस खाली रुट्भी

लिनीसमयागिति
महाहक ० दवता
गाहगिमहालक्ष्मी
हा ॥ ०० न न म हा
आ ३ ट कि ह ३ ॥
धमिने ॥ धन कुस
॥ ३ अ म य आ
विममहाधायि ह व
महाह व हा स य ह
आ ॥ ०० न न न म म
॥ ध न नि ना ज
॥ ३ अ म म न
य य न म स्वाहा ॥ ३
हा ॥ ३ ह ना म ना य
व हा य न म स्वाहा ॥
स्वाहा ॥ ३ म य चि

विश्व ॥ ३ न ह हि
ह विज स य म हि
स निह मो रु व स्वा
नाग्नि आ वा ह ॥ ३
॥ ध न व ज य य ॥
या ॥ ल य न दा य ॥
दिय छि या वि बा ६
क व वा रु ना य ॥ ३
मिति ॥ ३ व ज न ज
या अ म य व स य ॥
॥ न ॥ आ या य ॥
म स्वा हा ॥ ३ व य न
जा य व दा य न म स्वा
न म स्वा हा ॥ ३ ह ना
३ द व म स्वा य न म
स्वे न म स्वा हा ॥ ३ म

कडि छा स न स स्वा
वासा ॥ वा ॥

वद १ जा न वे द रु
स स ले १ स मि द स
न व ध वि ल दि व
या नि द १ श १ मि न
सि व ल ग न १ म र
ग द न्द जू य १ क ल
न १ हि म ना द १ वि
हि र १ रु व रु य १ य

॥ ध न ज कू मा न
य ॥ म न्द ॥

रु द् स्वा हा ॥ ॥

य च म हा ल धू जा ॥

ध न ज कू मा न ॥ कि

च क १ न न स्वा ल

दा ॥ ॥ ध न मू र्ज

उं अ मि भु क ति री
मा स न भु व भु वि न
व ल मू र्ज १ वि ला
स क ल ध वा ला स १
पै वा नू लू य १ अ च
धो न च म र य म्मा
लि न व य र व जिः
हा न न्द न जू य १ नि
च म कि न म मि री ॥

१ य न जा न क १ रु

॥ उं व रु स ल अ रु

ध न च ग य ध न ॥

उं जि स्वा हा ॥ ॥

म उ न न क १ क य

या च क ॥ ॥ उं

७

यतिविद्वसमाधर्मा
विना १ अगहि अ
कमसमेरुव ॥

॥ धन धान ॥ ॥

दासिसेदलयकज
धर्म १ कृष्ण गन
कोषकणिगामर

॥ धन धन च वरु

कृष्ण १ अरु सध

गता अग्नि मरुधन

प्रमाने १ अकृ वजि

लसरा धा वर वज

गदय ॥ ॥ ॐ अ

धन लि १ कृ स च य

हिदय ॥ धा वर ॥

दय ॥ ॥ ॐ अ

१ आच्छा शुद्ध दना

नृदिना या च १ ६

॥ धन जगज्ज

कृष्ण यचि न सत्यो

१ ६ श्री गुरु धर्म

धन न न ॥ कृष्ण

धन यत्नाने ॥

वयुजा ॥ धन गच्छा

सदय ॥ ॥ ॐ

का धन १ जव रुत

विरावे ॥ ॥

लन धिय ॥ धन

मिश स्वादा ॥ ॥

दय ॥ धन क १ वि

धन अत्ता द मि

कीय स्वादा ॥ अर्क

सि॥ ॐ वज्रसमावा यखादा ॥ यक्षासि॥
ॐ वज्री अग्नयस्वदा ॥ खदिलसि॥
ॐ वज्रवीधयस्वदा ॥ अयामागसि॥ ॐ
वज्रकृवायस्वदा ॥ उलसि॥ ॐ वज्र
जग्ययस्वदा ॥ उइ वलसि॥ ॐ वज्रभ
निचवायस्वदा ॥ भम्यासि॥ ॐ वज्रवे
धिविनायस्वदा ॥ वज्रगत ॥ ॐ वज्रज
नायस्वदा ॥ मिनाग नमि॥ ॐ वज्रवक्र
जोविंयस्वदा ॥ व क्रनलसि॥ ॐ वज्र
मधूनयस्वदा ॥ म धूसि॥ ॐ वज्रअस्व
कावायस्वदा ॥ अ स्वसि॥ ॐ सर्वयामः
भमतायस्वदा ॥ वे कथसि॥ ॐ वज्रसह
कावायस्वदा ॥ आ मलसि॥ ॐ वज्रके
समभमावायस्वदा ॥ कदवसि॥ ॐ वज्र
सर्वगारुदायस्वदा ॥ गीराजसि॥ ॐ वज्र

रि ला रा काय स्वाहा ॥

म रु नाय स्वाहा ॥ म

यदि रा व जाय ॥ क

य स्वाहा ॥ दा हा स्वाहा ॥

दि हि ह या ॥ ॥

जा य ॥ स वे द रु न

दा क ॥ दा मा ॥ उं व

रु न ॥ उं व रु वे ग य

व रु य स म ना य स्वा

वि जा य स्वाहा ॥ स्वा न

उ म य स्वाहा ॥ मू उ म ॥

दा ॥ मा म ॥ उं व रु म

रा ॥ उं व रु क ना य र्वा

व रु रु वा मे य स्वा हा

र मा र्वा य स्वा हा ॥

ग रि वा सि ॥ उं व रु

द न सि ॥ उं व रु अ

स ॥ उं व रु व जा य रु

॥ ध न अ ता द न

उं स वे पा य द रु न व

स्वा हा ॥ उ य सि य

रु य रु स्वा हा ॥ अ

स्वा हा ॥ रा हा ॥ उं

दा ॥ मा ध हा ॥ उं व रु

उ म ॥ उं व रु वि जा रु

उं व रु म हा व ना य र्वा

दा का ना य स्वा हा ॥ म्वा

दा ॥ रु य रु ति ॥ उं

॥ रु ति ॥ उं व रु रु

य र्वा मा म ॥ उं व रु रु

ॐ कू मा वा य स्वाहा
ग य स्वाहा ॥ मय ॥ ॐ
दा ॥ वा य ॥ ॐ सर्व
का ॥ ॐ सर्व क स य
का ॥ ॐ सर्व स य द
लि जा ॥ ॐ आ द ध
का मि ॥ ॐ शि रा स्व
न वि हि द का ॥ वि
य ॥ ध न य व य हा न
धा या न मु ध न १ य ॥
स्व चा क ड य के ॥
न य २ य ध य २ ॐ अ
॥ धा लि ॥ म न न ॥
ह य ॥ ध न य ध मा रु
का न स्व मि वा के ॥

॥ का ल ० ॥ ॐ व ज म
व ज म र्व वा जा य स्वा
ध सि धि य स्वा हा ॥ ॐ
स म ना य स्वा हा ॥ म
य स्वा हा ॥ इ इ जा ध
न रु वा य स्वा हा ॥ ॐ
न हा न व य स्वा हा ॥ ॐ
हि स वा च स न स इ
पू जा ॥ ध न लि व १ य
॥ अ मि मि मा वि य
॥ ॐ व ज स ल आ धी
है रु ट २ स्वा हा ॥
वि वा के ड य ॥ वि हि
मि ॥ आ रु वि य ॥
॥ ॐ स्व मि क य वि

विजा रगाक्र म री
क्रमनि १५ हा वि
क शिद मी मृ श ॥
स्मा मादिद नत्त वत्
न १ ५ हा या द सीसि
यदि या वि म्मा वि न
वाह ना य उं अं ह वं
माह वि य न य २ स
वा स्या वा ॥ न ५ न
॥ न ॥ ॥ न ॥

हा १ वा क ग ल हा
वा का वा र्ग १ ५ हा
सा य लि म ५ वा वि
वि र्ग वि य ५ ना म
स मा द्य न य १ वि हा

यमिडरुलसादि

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो नमो श्री गणेशाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

उ॥ दानपणि॥ दिशि

दिगसे ॥ ॥ थ

॥ उद्देकसूक्त

मवाय, कै वे क्षत्रिका

कदाचारनविवर

गृह्यरसमविद्यन

मावातिवाचयशशा

इति द्वितीयः सर्गः

य २ र ३ य २ र ३ य

स गि ज्ञा ॥

रुसाय × वन × वंकर

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

युवकधनचिन्तासा

गी. अ. ल. सि. द. व. मि.

लवंगि, सागि, खरुंग

दिय स्वाहा ॥

नक्रुत्रकवावल्लि

य॥ वक्रं क॥ नाय॥ व॥ क॥

य॥ चक्रे हं जाय न

सि लाय ॥ ह्रदवलि

नासाय ॥ रुल २ व ३

मयं न ह्यम रश्चिद

साय नमो नमो नमो नमो

दूस्वादा ॥

॥ दा य न मी स्वाहा ॥ जी

२ श्री साधु वचन २५

रुचैदाददश्या
नरुदवमचिगि
रानमरेकेहादि

॥ पूजा जस्यानु
मरविद्य ॥ ऊधमा
माहावलिदिय ॥

॥ ॥ गगवलि
वायुमधुलधन
निलवे ॥ रसाप
क्रीडा विह्वामी
वगुठदददद
निरवयाद ॥ मलावपि
साहा ॥

॥ आका
वावासा ॥ ॥ उका
हा ॥ नूनचलुचडा
रुपाव ॥ रिगवम
माह ॥ कोसा ॥ विष्णु

वक्रा ॥ ॥ ववगुध
नम ॥ सर्वरुग
दिहुरुटस्वाहा ॥

गि ॥ समये धावा
॥ ॥ धनलि

सगवगवहायक

ऊध ॥ यका लन
नारु ॥ धगा रुग
लिगुका लन ॥ ऊ
गीउवमी ॥ अक
यवामर ॥ यवय
आचम नय किच
गव न ॥ पागाद्य ॥ प

मितागरुववायसा
थ ॥ कोध ॥ डलक
॥ सहाव ॥ वक्रा ॥
॥ वावा ॥ वृद्धा ॥ वा

पमाशाङ्ग

आ० मा० ॥ ॥ ५
सि० ॥ ५ ने हा ग ल य
धी व ज स लो य ॥ ५
सि द्धा ॥ लो का स य
श्रव सि द्धा ग रु ज
मी नि व स वि दि बा
ग ली रु क्ता ज लि
स स ग दा र्थ स रु रु
स य न ग रु ॥ ५
सी ति रु लो ॥ ये न रु
य चा द मा र्क गि लि
स वृ ष च य व सि ॥
स ग म रु च ताल य
वा पि डा ग रु च य
च नि श न रु ॥
न नै व ॥ गु न्या ल य
हा ल चै न्या ॥ व स थ

न यू जा ॥ वा स्या ॥ ५
के ॥ ॥ ५ न स
वा य वा स व रु ड गाः
ला क न य नो ना च ग
न य य ॥ ये रु ड पि रु
॥ ने ति य जा नू य षि
वि रु य या म ना रु
के स य ॥ स लो ॥ ५
॥ ये म नू य नी नि व
न य च ॥ स वा ल य रु
म डि य रु न ग ली रु
॥ य लि रु च स वी रु
वा पि रु ना पि वा मा ॥
न रु रु य रु व रु रु
॥ ये म म धा ये म ल रु
द व ॥ ग रु रु य च वि
ग म य ॥ म रु रु रु रु

सुचक्रकलाना॥
हवमंरि॥ चथास
वृक्षसू॥ महायथसू
यसं॥ मिहरेण
वसतिधाजाम॥ म
दिदं॥ कृतावया
वसंतिथिच॥

ले॥ पूषावलि॥ दि
क्रु॥ दंडं॥ मि
सकलं॥ इगु॥ ॐ
सं॥ ॐ॥ सुचक्र
रु॥ अ॥ य॥ म॥ न॥
मि॥ अ॥ य॥ मि
॥ ॐ॥ न॥ र॥ मि॥
लाकायितासं॥ ॐ
दुठियना॥ व॥

॥ य॥ ह॥ का॥ वि॥ पु॥
सु॥ च॥ ॥ ले॥ ॥ य॥
॥ म॥ हा॥ स॥ म॥ स्वा॥ न॥
॥ हा॥ य॥ ॥ मि॥ ना॥ सु॥ य॥ च॥
॥ हा॥ न॥ वि॥ ॥ दि॥ य॥
॥ च॥ ॥ म॥ अ॥ स॥ म॥ न॥ नि॥
॥ य॥ हा॥ ना॥ सु॥ ग॥ ध॥ म॥
॥ वि॥ वि॥ र॥ क॥ ला॥ ग॥
॥ व॥ च॥ द॥ मि॥ द॥ च॥ क॥ म॥
॥ ला॥ न॥ व॥ दि॥ स॥ द॥ द॥ व॥
॥ प्र॥ उ॥ व॥ लि॥ वि॥ स॥ य॥
॥ य॥ ॥ य॥ मि॥ ॥ य॥
॥ वा॥ य॥ ॥ ध॥ ना॥ मि॥ मि॥
॥ मि॥ ॥ द॥ वा॥ स॥ ॥ उ॥ ध॥
॥ ॥ द॥ वा॥ स॥ म॥ ना॥
॥ ला॥ ग॥ क॥ ग॥ म॥ स॥

मय सा ॥ पणि लव कति वदय मि ॥ स्व कथं का
 च ॥ दि स र ता ग य म सर्व स व वा स ॥ धन्य
 ॥ मणि धु य कि ॥ क व नु ति ली ॥ धू य
 व सि ॥ य धी व लि ॥ य धी व ॥ ध ना धि य मि
 धी व ॥ म ना व थ मि ॥ र ड् डि व नु ॥ यि व
 नु ॥ ॐ द च क मे रू रू लै रू रू ॥ ॥
 न क व रू ॥ स म स्वा न वा ॥ य व रू क नु लै रू
 रू ॥ म म पा रू ॥ य व रू रू ॥ ॐ न्या ग लै रू
 रू ॥ प रू ॥ रू ड् नै रू रू ग रू रू रू ॥ मा रू ॥
 म वि सौ व रू ॥ ॥ रू न नु द म रू नु
 रू ॥ द व द रू ॥ स मा ॥ सि रू ॥ रू रू क वा नि
 रू रू रू ॥ न द रू मि ॥ ग वि ना य रू ॥ न म रू
 दि यो वि नि रू रू ॥ उ त्मा द वि उ रू रू रू
 ॥ ड् या व वि ड् ॥ य ॥ य व ॥ य डि ना य रू
 न डि ना ॥ रू रू क ॥ नि म रू का लि ॥ रू
 ल का लि नि यो ॥ ॥ ॐ दि च

[illegible]

मकाराणि दत्तं यन्मृषि

मय न्यायं गमनात्तन्निव

महात्तया दत्तं यन्मृषि

हृत्मा न्यायं गमनात्तन्निव

महात्तया दत्तं यन्मृषि

हृत्मा न्यायं गमनात्तन्निव

महात्तया दत्तं यन्मृषि

हृत्मा न्यायं गमनात्तन्निव

महात्तया दत्तं यन्मृषि

हृत्मा न्यायं गमनात्तन्निव

महात्तया दत्तं यन्मृषि

हृत्मा न्यायं गमनात्तन्निव

महात्तया दत्तं यन्मृषि

हृत्मा न्यायं गमनात्तन्निव

धनलिव ॥ मूना ॥
धकि जाययक ॥
निकाइय ॥ लिवा
॥ ॐ गुगुस
॥ ज. वलरससि ॥
आकिशकवा जाय
आकिपूसि कवस
॥ ॐ सकि ॥ ॐ न
दा ॥ मयगुलि ॥ ॐ
ॐ गुगु ॥ ॐ वड
॥ गव गाल ॥ ॐ व
॥ का ॥ ॐ सपुषा
जावा जाय ॥ दानय

ययक ॥ ज. कमाने
येव वा लमूजा ॥ मि
क ॥ च्या विदिइय
माधिरुले अस्वादा
ॐ गग धी गग वि
दानयाति अमूकसे
दा ॥ बाल नैको क
ॐ वड धिर कायस
वड ग अस्वादा ॥ य
नास्व वाव वाय स्वादा
ज वाध मस्वादा ॥ ज
निलं का ले नितय
गि अमूक स आलि

सस्तीतु स्वाहा॥ य
वा कालसा॥ उ धर्म
विद्युयसा वि धि सा
हा॥ च **उद्युलि** ॥ उ
धू ॥ उ वजा ला कर्दि
॥ उ वज पिष्ट काय
मधि ॥ उ वज वसी क
॥ उ सर्व लत्वा कवा
उ वज विजय हू रु
उ वज सर्व क र्म कलि
उ वज मंद हू स्वाहा
ल रू रु रु स्वाहा॥
रु सर्व का उ मि दि

मा **उ काल** ॥ निना
ध र्म वा ज द रु र म
कि यु र्मि क ल स्वा
वज धू र्मि ला स्वाहा॥
स्वाहा ॥ **अधू** यि गा
स्वाहा ॥ य **अधू** क ड
वा य स्वाहा ॥ **कधू** म
य स्वाहा ॥ **स्वयधू** ॥
द स्वाहा ॥ **सुमधू** ॥ ॥
य स्वाहा ॥ **पुषकधू** ॥
॥ **पुषकधू** ॥ उ रु
मि **पुषकधू** ॥ उ रु
म स्वाहा ॥ **कूकू** म ॥

ॐ मय २ सर्वद वान
ल **शील** ॥ ॐ व मि
दन ॥ ॐ उ य २ ह
हिल न य द स स्वाहा
व च न य द स्वाहा ॥
य आ च य स्वाहा ॥ श्री
ग सा भ य द्री मू स्ति
यू च ॥ ॐ क नि ध नि
स्वाहा ॥ **व क** गि ल ॥
य स्वाहा ॥ स वि धि द
य स्वाहा ॥ **रु ल** श्री व
॥ ॐ व ज म धू नि य
य ल **य इ चा कू** ॥

स्वाहा ॥ **क रु** लि क म
व ह स्वाहा ॥ **व क** च
स्वाहा ॥ **शी** न व ॥ ॐ
॥ **गि ल** **गि ल** ॥ ॐ स
शु ग ध नि च ॥ ॐ स म
गु सि ॥ ॐ स व स जी
क ल ह र ट स्वाहा ॥
स व सि धि क ल डि
ॐ स व आ ग य स म वा
क ॥ ॐ व ज शि रु वा
ल **वि रु ल** व य मि
स्वाहा ॥ **क लि** ॥ ॐ
ॐ स व डि न य र ग

सा हा ॥ वरु ॥ जि हा ॥
य वा ॥ उं सर्व गि ल
व वि ॥ व हा च ॥
हा ॥ म ल च ॥ पि पि
व वा धि यु म म ना य
॥ म ॥ ग व सा हा ॥ उं
उ च ॥ उ उ लि ॥
शि वि य ॥ ॥
न स ॥ ॥ ध व च र
क वे स व ध ॥ व क उ
र दि ॥ स सि क
वा र्थ सा ध क ॥ अ था व
गु य द कि मी स सि

ल ॥ व व वा च ॥ गु म
व न स्वा हा ॥ म ध ॥
उं सर्व स क न स्वा
लि ॥ गु धि ॥ उं स
स्वा हा ॥ जि ॥ रु जि ॥
स र्व ग व धि स्वा हा ॥
॥ थ न लि ॥ आ रु
उं दान य ति ज रु
वि नू ध क ॥ वि नू य
का स ना थ ॥ पू ल य
ल दि यी ॥ मा ग ला ॥
॥ सा ग्ध री ॥ स र्व स ल
स्वा हा ॥ ॥ दि य

वमहावाजायावा॥

यमधासागलनि

दस्य॥ वृत्तंरुमिस्त

वास्तुसर्वगा॥ रुष्टूसा

गास्तुस्ति स्वास्त॥

॥ उं श्रीमानिग

वाजाभिवाज॥ श्रीरु

यव॥ अग्निरुद्रवर्ज

स्वीया॥ भियुग्निवा

विष्णुर्गु॥ सर्वग॥

सहजंरुस्तुस्ति

यास्त॥ ॥ उं श्री

आयु कामना धी॥

या लिङ्गयू लिङ्गानि
लिङ्गाधी मण्डलीरस
यद्युगाहृतिगुप्ता

॥ स कृद्वद्वयागा ॥

यूत्तमस्मिवायूनस्व
किं नानैवसुधाग
वल्लयनिर्गन्धकन
लिङ्गाधी मण्डलीरस
मिद्वद्वया विद्यने
यद्युगाहृतिगुप्ता

॥ धानवद्वयागा ॥

एविधिवत्सका
लेकागवाहृकसमा

के सर्वस्वस्तिकलिङ्ग
कृद्वद्वयागाहृकालका
स्वस्तिसाहा ॥

॥ उं ॐ मयाक

रग्नवालत्वववास्मि
गगनगस्यालत्व
मगनग्नहासुस्व
कृद्वद्वयागा धानविय
धल्लकालका
स्वस्तिसाहा ॥

॥ उं यमुयव्य

मिर्गसागमूदानुर्ग
मिर्गानुर्गमानवि

अक्षरद्वय समनाद

स्यान्नद्वयनिर्ण

हस्तसक्ति ॥ श्रीमण

मम धातुवागीध्वल ॥

य॥ वृणाहृत्तिरुद्र

॥ दंतु वया ॥

गवक्षमृक्षुसुसुक्षु

मृत्तियलाविर्ग. १५

क॥ श्रुत्युत्तरं न

गस्याचलवचयनि

सुखसि । श्रीमन्

रुक्मिणीकाय ॥ ८ ॥

स्मि स्वाहा ॥ ॥

इमार्गद्वितीयः

॥ श्री नमो नमः ॥ ॐ

श्रीरससूक्तवगा॥५॥

यैश्वर्यवृद्धिरुक्तालंकारः

२ स्वस्ति स्वाहा ॥

॥ ॐ नमो विद्या

आज्ञायसा श्रीम नमः

मनसु समासिकवि

॥ आरंभ नवसकृत् ॥

गं॥ न न स न न न

श्रीरसाङ्गसूत्रिबुद्धि

गहसिगुद्र २३६

न धागनयाग ॥

॥ॐ अक्षो महा यूगलेयस्य ना॥ श्रीः
नाच स्वाति इ गानि वैव ॥ अक्षु क्रि निः
या ॥ युगर्ष भगिना ॥ महायुष्माक्षु यणि
यूगलेन ॥ एष मय प्रदाना रुवर्ष ॥ महा
रुली वजानि ॥ अने स्तानि इ धासु इष
॥ अक्षु यनि वलसै यावत् ॥ एष न सग
न ॥ श्री साया रुस्वनि ॥ श्री मरु श्री रकुल
यवना मय श्री सा गावल ॥ श्री सा नम
लि ॥ श्री वज्र तीव्र ल ॥ वज्र वाचादि ॥ रुव
इ ॥ नेवा सा च अम सा यो श्व ॥ दवदवि
रु की लका य इ गाह नि गृह ॥ २ स्व
स्ति स्वाहा ॥ ॥ आगद वयाग ॥

॥ॐ ऊ सूर्य सने म नासा इ न न डः

यसकमलगमससा
फामृताविगमकृता
पूडागि॥ॐ॥पुननि
नसर्गेन॥ॐ॥साया
रवृगमआर्यावया
काय॥ॐ॥गाहृति

॥वृगदवयागा॥

गदिहृदगतसंता
प्रसासत्कायइष्टि
धीलेवर्गंदधिनवा
नवलसद्यलत्न॥ॐ॥
स्वाति॥ॐ॥मीमृगी॥
कीलकस॥ॐ॥गाहृ

सनादि॥गायाक्रिया
मानूदानिविदिमा
नवलसद्यलत्न॥ॐ॥
स्वाति॥ॐ॥मीमृगी
कृतेधलरुकीलः
गुद्रस्वस्तिस्वाहा॥

॥ॐ॥सदयजीव

यप्रदितायूगवकि
विचिकिसंताच॥
कृतेच॥ॐ॥पुननि
नसर्गेन॥ॐ॥साया
रवृगमआर्यावया
काय॥ॐ॥गाहृति

हा॥

॥ रिमसनाया ॥

या॥

॥ उं न वी

मययदाभिधा॥ सि
सवाग्वाधुवतानीदि
ज्ञानेना॥ धर्मिमेता
वजगतामर्गजस
मसुवविमिकता
लक्षणा॥ धर्मचिण
स्तिकविज्ञप्ति॥ धी
वियमृग्वाना॥ सुव
गमदवदविरुक्त
क्रूरस्वस्तिस्वाहा॥

॥

॥ उं जोगेज

मयगितायकी॥ द

धिगमथाजिनोडिगा
रुतानावदिनेमिर्ग
यकथाधममययि
वी॥ समकललाग्य
य॥ रसुविधगावि
दिनाजोस॥ सर्वस्व
सगधीरवामृजद
माहातिका॥ नवइ
लकस्ययुताहृणि

॥ धिगमयाग

माहुमागस्मिनिव
सकसर्वधमातीस

च स्वस्ति क हि ॥
 स्वस्ति ॥ हलसि द्योत
 य गा हलसि म्र क
 ॥ हलसि द्योत
 ऊ जग गा सा गा ह
 य ॥ सर्वस त्वा ना ज
 धी मद् धी ॥ रु रु रु
 ला रु क ला ल का य
 स्वस्ति ला ला ॥

॥ धनं ज्ञेयं ॥
यत्किंचित्तात्मा ॥
तज्ज्ञेयं सत्त्वम् ॥
सत्त्वम् ॥ ० ॥

श्रीमद्गोपीश्वर उवाच ॥
 वदन्तु कालकृतं ॥
 स्वस्ति स्वाहा ॥

ग ॥ ॥ ॐ गति
यनमुस्वि वरु अथ
वस्वस्मि कलि कनि
निध वि वजने वा
शुभा रुणि गृष्म द
॥ शुभ ॥ धनि या ग

वा ॥ श्री गणेशाय ॥ धन
धन दि गुरुवलि ॥ १
खान कि नन का ॥ वि
क ॥ गुरु प्रसा ॥ द

कना ॥ कमायन ॥
साहि क ॥ आशि
यातिव ॥ ॥
गिविय ॥ काल स्व
उं अग्नि आदि यदि
क व वाह नाय दान
पूर्व वग अग्निद्व
मुलेश मधुना भिष
स ॥ ज्ञान सत्व सत्त्व
रु व रु रु या ग मूल
ग ग सग्वाह गि स
न उ वि ना व डि ॥ रु
॥ सा स ना हि हि डि

स र्क आग ग न ॥ क
ग्वा स्वा न वि य ॥ ॥
सग्वाह गि ॥ आह
स्ति वा क ॥ ॥
णा वि न वा वि स्व ॥ रु व
य गि अ मू क स्य ग ग
ता या वि रा वा ॥ सम
गि ॥ स्व स लि च वि व
न वि ग य ग ॥ रु व
स र्क क मि क म ग वा
मू हि म ल ॥ अ न
न व मि य क्ष य य ग
म उ रु ॥ उ ता वा मि

श
म

कलैयस्तु॥ यप्रति
वायिववायुमिवा
विष्णुवायुमहावत
व॥ चन्द्रशूर्यकल
येवेव॥ क्वालेक
जायुनागमध॥ गन्ध
यष्टि॥ हितादवा
न॥ महानाशयिता
मगिन॥ निर्माति
वायगमधुय॥ मासि
सहाधुनिवासि
गासत्वा॥ हिताय
नसत्वाकाधुल

त्यम्बकदुता॥ दुताः
वृक्षसकमहम्बल
॥ कामदवदुलवेः
गहा॥ यथियाधध
नयस्तथा॥ धर्मना
वासवकिनवा॥ प्रा
॥ ध्यायिस्तानिवासि
येव॥ निर्माचवस
वगिदवायुधुध
चिलोकधुधु॥ १
न॥ चन्द्रदियस्ति
वगिधुधु॥ राग
गागुलतनादय॥

राऊनसखलोका
य॥ मृदिगारुमिहि
पियाजग॥ सर्वक
यायाकृतासदा॥ ध
इह्याथागमय॥ इ
यराकलिनिवासि
तायेच॥ येचसाधय
धनेनाध॥ स्वयाया
भावकाष्टेव॥ स्व
यनलकयथा॥
॥ पितरुहमासमा
ऊं आहं हं हं वेद
यथा किलिखिता॥ प
कियमिच्छेखाहा॥

॥ लतागुलनाद
सायच॥ विमनायाः
मृतिनिर्वासा॥ वाच
ममद्यानूमायच॥
लेगमायाष्टया॥
न॥ अरिमृष्टिहि
गिमरा॥ दधरुमि
पूगवाचय॥ मृदुद
प्रविकृतिनृजिनी
दवामूलमनृषाका
गुणानि॥ ऊं ऊं गमा
गानयनमृकसं॥
वयदध॥ वयदध॥
॥ धनयुजावासा

तुमि ॥ ॥ विष्णु

गुरुर्ध्वं सर्वधर्माणां
त्वत्संयवे सयग ॥ इति
वत्तचित्तचित्तयग
पुंष्टीचचयनेनज
पुंष्टीचचयनेनज

धनकलसववका
ॐ तिहामविधि

॥ ॐ ॥ ॥ ॐ ॥

२ भनं मासादुगि ॥ सि
आय ॥ आमायगदह
संयलनवदिय ॥ यं
दिने ॥ आय ॥ स्वा नच
यं ॥ अग्निदवि
॥ निवा जन ॥ सगद

जन ॥ ॥ गणाय

गुरुर्ध्वं ॥ समयस
नसलेमकानिस्तरु
कुमारवसर्वसत्व
लमस्तुलकलाहय
कमस्तुलम ॥ ॥

य ॥ खान को काय ॥
किवासमाय ॥ ॐ

॥ ॐ ॥ ॥ ॐ ॥

आहुति धथा ॥ स्वस्ति
य ॥ यं वज्रानि स्वने
रुदिय ॥ यं ॥ सगन
वक ॥ धूययाय ॥ ॐ
आधनाय ॥ आवेसत्व
गावचा ॥ सगवना ॥ ॐ

क वन ॥ या नार्ध स्वा
र्ध ज x उं अ कि नि x
उं प्र पि x ॥ पूजा वा
नि च र था वा मो न्वे
नस्य पूषी दि स स्ताने
॥ धन धि न का य क ल
न इ का य व पि पि य
व स्व स इ का य धन गु
य च व त्र ग य ॥ उं शु
धन ॥ उं ग क क वि
ग सि धि सा ध य ॥ रा
हा य ग य य रू म ध
ध x ॥ व शु ज न्या स ॥
पूजा उ नि ॥ उं स व शु
ग क नू र म त्या द पि

न वा य ॥ उं उ सर्व व
उं ला सा x उं स मु x
सा उ नि ॥ उं अ कि
मु ला हा व प्र पि नि
स व सि धि य दा य क
हा य ॥ न म न द्रा व
॥ नि न न म ग स ॥
व न व का य म न्व स
न म व ज ग न x य न्य x
धि ना क र्पा ग म न
व ना ग नू म ध्या ल
व न ॥ उं स ग व शु
जिं ज ख गी क री
न क्कान व धन शु न्य
ग म नि क ल रू ॥

धननिष्ठासिद्धिः
वियदङ्गनागयको॥
धवल्लि॥ कुत्रकत्वा
माहनिःकोकायस
मूनकिचकः वाग
य॥ धनतात्रकाय॥
य॥ मध्यसकात्रध
दङ्गनसदि॥ यद्यि
ससाधि॥ धनमवा
ज्यशमाहायानका
मानस्य॥ रंगवीणी
म्वनवङ्गवावादिद
भुक्तसावनमासा
मिक्ति॥ श्रुत्यिनिवा
गकात्रयि॥ धनवा

॥ शिङ्गयनिदङ्गनस
धनदिगवल्लि॥ वा
वल्लि॥ धनसिधत्त
कत्रतिचक॥ नक
तयकत्वाकाग
य॥ धनवात्रका
॥ यद्यसगंधल्लेखा
मस॥ इद॥ उक्त
वायन॥ शिङ्गनाम
न॥ स्वस्तिवाक्य॥ ऊरु
गीमत्तुगीत्रचकस
वदवि॥ अग्यसंयु
कति॥ मावननि
कति॥ रुद्रयाग॥ मि
कटदय॥ विद्वि

य. पंचधा जा हायक
 य. प्राणकाय ॥ गीत
 नत्र ॥ अथवा. जयज
 वि. आरु नि विरय ॥
 गीत रुं रुं रुं ॥ पंच
 युद्धा विरय ॥ धनसि
 रु नि विरय ॥ धनय
 ॥ मा सा रु नि स. सि
 धि धू नि ॥ १०१० ॥
 सर्वग १०१० नर
 या. आदिग वाचक
 व ॥ विमि वृ. का ०
 गरु. विविक्तया ॥
 दत्त रु न. थन न द
 रु या गसा. कृदृष्टि

॥ रु नाय वसा विद
 दि. कलि वजाह
 य. ल अर ॥ ये वसा
 पूजा. ना. रु ॥ धन
 या ग. रु वक ॥ धन
 या युक्ति थ ॥ सिद्धा
 म्भूजा ययक ॥
 बा रु नि न ग न वि
 १०१० ॥ १०१० ॥
 अम उ म्भू धि दि नि
 यु. सि धू दि न रु
 रु ग. व गा क रु र
 वजा वाच्य धी धन
 य का ॥ धु ना न जो
 ॥ धु र ॥